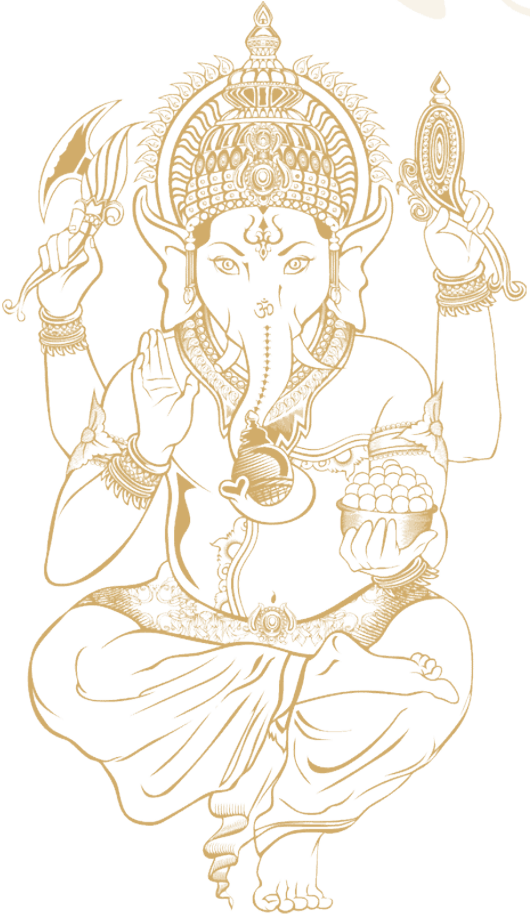

Jagdish

27 Nov 1969

04:38 PM

Solan

Model: Varshphal-2017

Order No: 121240101

तिथि 27/11/1969 **समय** 16:38:00 **वार** गुरुवार **स्थान** Solan **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:26:15
अक्षांश 30:54:00 उत्तर **रेखांश** 77:06:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:36 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	20:41:09 घं	गण	देव
वेलान्तर	00:12:26 घं	योनि	मार्जार
सूर्योदय	06:58:22 घं	नाड़ी	आद्य
सूर्यास्त	17:19:52 घं	वर्ण	शूद्र
चैत्रादि संवत	2026	वश्य	मानव
शक संवत	1891	वर्ग	मार्जार
मास	मार्गशीर्ष	युँजा	मध्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	वायु
तिथि	4	जन्म नामाक्षर	के-केवल
नक्षत्र	पुनर्वसु	पाया(रा.-न.)	रजत-रजत
योग	शुभ	होरा	सूर्य
करण	बव	चौघड़िया	शुभ

विंशोत्तरी		योगिनी	
गुरु 15वर्ष 3मा 10दि		पिंगला 1वर्ष 10मा 27दि	
केतु		सिद्धा	
09/03/2021		25/10/2025	
09/03/2028		25/10/2032	
केतु	05/08/2021	सिद्धा	06/03/2027
शुक्र	05/10/2022	संकटा	25/09/2028
सूर्य	10/02/2023	मंगला	05/12/2028
चन्द्र	11/09/2023	पिंगला	26/04/2029
मंगल	07/02/2024	धान्या	25/11/2029
राहु	25/02/2025	भ्रामरी	05/09/2030
गुरु	01/02/2026	भद्रिका	26/08/2031
शनि	12/03/2027	उल्का	25/10/2032
बुध	09/03/2028		

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			01:02:15	वृष	कृतिका	2	सूर्य	राहु	---	0:00			
सूर्य			11:36:08	वृश्चि	अनुराधा	3	शनि	चंद्र	मित्र राशि	1.28	पुत्र	पितृ	सम्पत
चंद्र			20:36:03	मिथु	पुनर्वसु	1	गुरु	गुरु	मित्र राशि	1.16	भ्रातृ	मातृ	जन्म
मंगल			23:05:50	मक	श्रवण	4	चंद्र	सूर्य	उच्च राशि	1.11	अमात्य	भ्रातृ	वध
बुध		अ	17:50:51	वृश्चि	ज्येष्ठा	1	बुध	बुध	सम राशि	1.01	मातृ	ज्ञाति	विपत
गुरु			03:07:07	तुला	चित्रा	3	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि	1.08	कलत्र	धन	मित्र
शुक्र			27:34:58	तुला	विशाखा	3	गुरु	शुक्र	स्वराशि	1.08	आत्मा	कलत्र	जन्म
शनि	व		09:50:50	मेष	अश्विनी	3	केतु	शनि	नीच राशि	1.01	ज्ञाति	आयु	क्षेम
राहु	व		24:02:22	कुंभ	पू०भाद्रपद	2	गुरु	बुध	मित्र राशि		---	ज्ञान	जन्म
केतु	व		24:02:22	सिंह	पू०फाल्गुनी	4	शुक्र	बुध	शत्रु राशि		---	मोक्ष	प्रत्यारि

लग्न-चलित

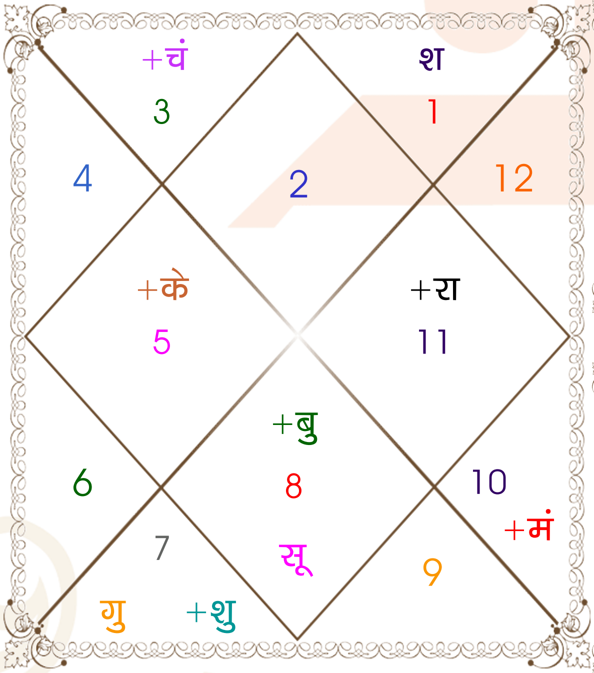

चन्द्र कुंडली

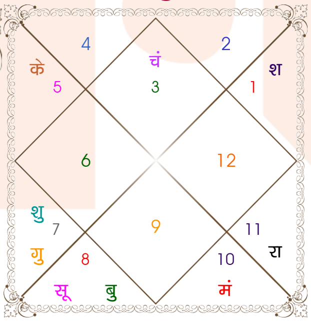

नवमांश कुंडली

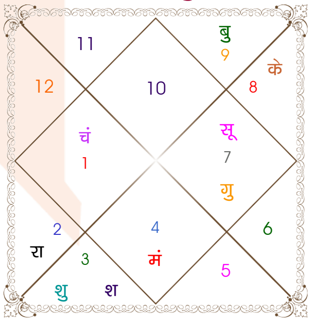

सर्वाष्टकवर्ग

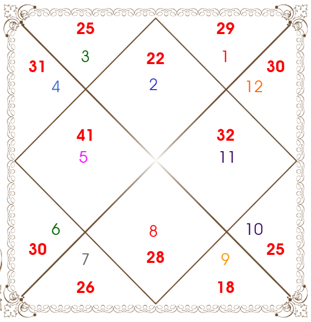

दशमांश कुंडली

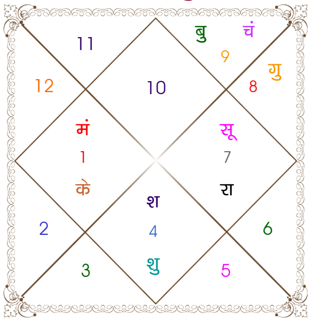

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्का◌ॅलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्यान्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर वातजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य रहेगी तथा यदा कदा मन में उद्विग्नता तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय मध्यम रहेगी तथा समय समय पर परिवार में कलह तथा मतभेद रहेगा साथ ही पारिवारिक जनों से आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस वर्ष में आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा लोग आपका यथोचित सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपकी अरूचि तथा उपेक्षा बनी रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को भी अल्प मात्रा में ही सम्पन्न करेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा परन्तु निम्न श्रेणी की स्त्रियों से आपको हानि हो सकती है अतः इनसे सम्पर्क न रखें। साथ ही सेवक वर्ग का सुख भी आप मध्यम ही प्राप्त करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा इसमें अनावश्यक समस्याएं होगी। साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में नवीन कार्यो को प्रारंभ न करें। नौकरी या राजनीति में भी इस समय उन्नति मार्ग में बाधाएं आएंगी तथा आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः ऐसे समय में आपको उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। आर्थिक स्थिति आपकी इस समय अच्छी नहीं रहेगी परन्तु बहिनों या भाईयों के द्वारा किंचित लाभ अर्जित हो सकता है। साथ ही अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त निम्न वर्ग के लोगों से हानि होगी अतः इनसे सतर्क रहें। इस प्रकार परिश्रम करने में तत्पर रहें तभी आपको शुभ फलों की प्राप्ति हो सकेगी ।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्का॓लर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा शारीरिक रूप से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आप अशान्ति तथा उद्विग्नता के भाव से युक्त रहेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए वर्ष अच्छा नहीं रहेगा एवं यदा कदा इसमें अशान्ति का भाव विद्यमान रहेगा। पिता से इस समय कोई विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा आप भी उनकी उपेक्षा करेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथापि अन्य लोगों को दिखाने के लिए कोई धार्मिक कार्य कलाप सम्पन्न कर सकते है। इस समय शत्रु पक्ष से भी आपको परेशानी रहेगी तथा यदा कदा वे आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता भी अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा । इस समय व्यापार में आपको विशेष सफलता नहीं मिलेगी तथा उन्नति एवं लाभ मार्ग में रूकावटें आएंगी। इसके साथ ही नौकरी या राजनीति में पदोन्नति संबंधी विलम्ब या समस्याएं रहेंगी। इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या नेता आपसे अप्रसन्न से रहेंगे अतः ऐसे समय में आपको इनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए तथा विनम्रता पूर्वक इनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा सामाजिक मान प्रतिष्ठा एवं यश में भी न्यूनता रहेगी । अतः ऐसे समय में आपको सयम एवं सोच विचार कर अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शरीर से कष्ट की अनुभूति करेंगे जिससे दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। साथ ही सांसारिक महत्व के कार्यो को यथासमय पूर्ण करने में भी आप असमर्थ रहेंगे।मानसिक रूप से इस समय आप चिन्तित रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रु पक्ष भी आपका प्रबल रहेगा तथा आपके लिए समय समय पर अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेगा जिससे आपको काफी असुविधा होगी। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपकी मान हानि की भी संभावना रहेगी यह या तो आपके स्वयं के कार्यो से होगी अथवा जिससे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आपका कोई संबध न हो। अतः ऐसे अवसरों से आपको अत्यंत ही सावधान रहना चाहिए।

इस समय व्यापारिक या कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अनुकूल नहीं रहेगा।नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ उच्चाधिकारी या सहयोगी आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे फलतः आपकी पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार में भी इस समय रुकावटें उत्पन्न होंगी तथा इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप असमर्थ रहेंगे।फलतः आर्थिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी इसके अतिरिक्त बेरोजगारों को कार्य मिलने में अत्यंत ही कठिनाई रहेगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्का ॅलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा यदा कदा आपको इससे कष्ट की अनुभूति होगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप अशान्ति या उद्विग्नता की अनुभूति करेंगे। इस वर्ष में आपकी बुद्धि मध्यम रहेगी अतः जो भी कार्य आप प्रारंभ करेंगे उनमें समय समय पर बाधाएं आएंगी तथा सफलता अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। संतति पक्ष के लिए समय मध्यम रहेगा तथा उनसे आपको सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा तथापि अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नतिशील रहेंगे।इस समय परिश्रम एवं संघर्ष से आपको भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति हो सकेगी साथ अन्यत्र द्रव्य लाभ भी प्राप्त होगा।इस वर्ष आप विलासमय समय व्यतीत करने के इच्छुक रहेंगे परन्तु इसमें आपको सफलता अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष संघर्ष एवं परिश्रम पूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपके उन्नति मार्ग अवरुद्ध होंगे साथ ही लाभ भी अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा जिससे आप असन्तुष्ट से रहेंगे।साथ ही नौकरी या राजनीति में भी पदोन्नति के अवसर बनेंगे परन्तु उसमें अनावश्यक व्यवधान तथा समस्याएं उत्पन्न होंगी। इस समय राजनैतिक लोगों या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपके संबध रहेंगे परन्तु उनसे आपको विशेष लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। धर्म एवं धार्मिक कार्यो के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथापि आप दिखावे के रूप में इनका पालन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी विलम्ब से सिद्ध होंगे। अतः संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें तभी आपको किंचित शान्ति की अनुभूति हो सकेगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

प्रथम मास

28/11/2026 07:29:05 से 27/12/2026 19:57:16 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:05:13
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	11:36:09
चन्द्र		कर्क	पुनर्वसु	00:04:06
मंगल		सिंह	मघा	06:35:27
बुध		तुला	विशाखा	23:40:05
गुरु		सिंह	मघा	02:25:37
शुक्र		तुला	चित्रा	02:14:28
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	13:50:48
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	29:40:07
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	29:40:07
मुंथा		कुम्भ	धनिष्ठा	01:02:15

मासाधिपति

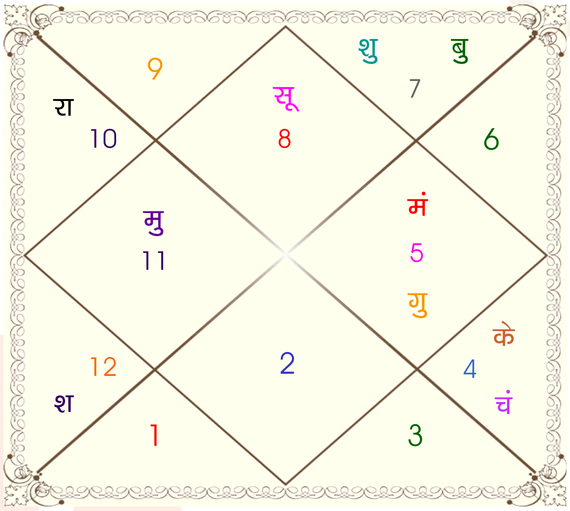

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए विशेष शुभ नहीं रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष के प्रबल होने से वे विभिन्न प्रकार से आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेगें। पारिवारिक जनों से भी इस समय अनावश्यक रूप से अनबन रहेगी जिससे पारिवारिक वातावरण अशान्त रहेगा। साथ ही मानसिक रूप से भी आप यदाकदा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस मास आपके कार्य में मंदी आ सकती है या आपका कोई कार्य छूट सकता है। आपके अन्य समाजिक जनों से विवाद भी हो सकते हैं जिससे आपके सम्मान में न्यूनता आएगी तथा धनहानि की भी सम्भावना होगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में उपरोक्त अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे। इससे शरीर में स्वस्थता,मन में सन्तोष एवं बुद्धि की वृद्धि होगी जिससे यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा। साथ ही धर्मानुपालन में भी आपकी रुचि रहेगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

द्वितीय मास
27/12/2026 19:57:16 से 26/01/2027 06:50:01 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	14:35:19
सूर्य		धनु	मूल	11:36:08
चन्द्र		सिंह	मघा	01:07:46
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:01:36
बुध		धनु	मूल	08:39:43
गुरु	व	सिंह	मघा	02:26:33
शुक्र		तुला	विशाखा	24:55:57
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:56:45
राहु		मकर	धनिष्ठा	27:11:03
केतु		कर्क	आश्लेषा	27:11:03
मुंथा		कुम्भ	धनिष्ठा	03:32:15

मासाधिपति

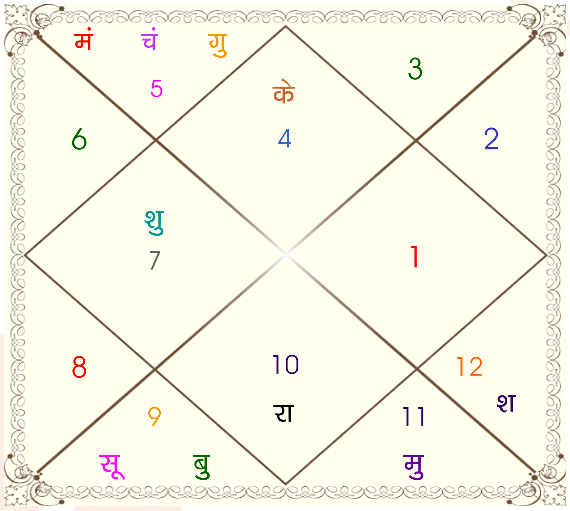

मासाधिपति : शुक्र

समान्य रूप से इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आप शत्रुओं से अनावश्यक रूप से भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे तथा घर में किसी प्रकार से चोरी आदि की घटना भी घटित हो सकती है।साथ ही आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक रूप से परेशानी का अनुभव करेंगे। धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा में अल्पता आएगी तथा स्वास्थ्य भी इस समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे। इससे शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। साथ ही आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते हैं। सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करने में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे एवं मुकद्दमे आदि के कार्य में भी आपका धन व्यय होगा। अतः सावधानी पूर्वक ऐसे समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी अवश्य प्राप्त करेंगे।अतः स्त्री तथा पुत्र संतति से सुख प्राप्त करेंगे तथा नवीन वस्त्रों या द्रव्यों को भी प्राप्त कर सकते हैं जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी एवं अन्य प्रकार से भी शान्ति की अनुभूति करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

तृतीय मास
26/01/2027 06:50:01 से 24/02/2027 22:15:44 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	02:50:16
सूर्य		मकर	श्रवण	11:36:08
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	00:02:59
मंगल	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:36:56
बुध		मकर	धनिष्ठा	27:06:26
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	29:51:15
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	26:03:32
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:33:08
राहु		मकर	धनिष्ठा	26:19:56
केतु		कर्क	आश्लेषा	26:19:56
मुंथा		कुम्भ	धनिष्ठा	06:02:15

मासाधिपति

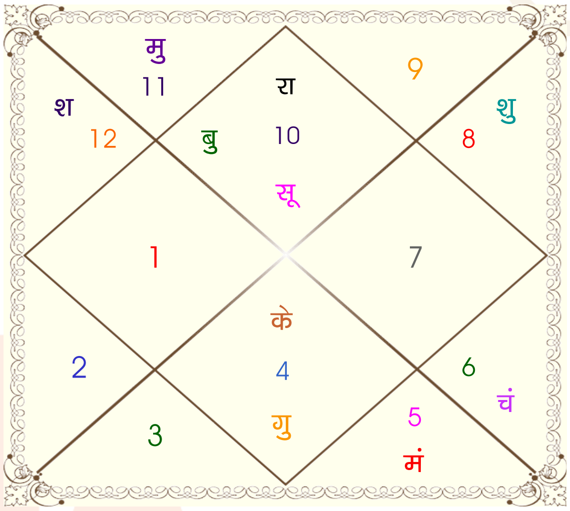

मासाधिपति : शनि

इस महीने में आप अपने उत्साह द्वारा धन को अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आप अपने बन्धुओं तथा मित्रों के मध्य उचित प्रतिष्ठा भी प्राप्त करेंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त होगा जिससे आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सफल होंगे। साथ ही मिष्ठानोपभोग भी आप अधिक मात्रा में करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा शत्रु वर्ग कमजोर रहेंगे एवं उनको पराजित करने में आपको पूर्ण सफलता प्राप्त होगी। स्त्री से आप पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं व्यापारादि कार्यों में भी आपको वांछित लाभ प्राप्त होगा। इस प्रकार आपका यह मास सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

साथ ही इस मास में आप महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग एवं लाभ भी अर्जित करेंगे। आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की भी अभिवृद्धि होगी तथा सम्पूर्ण मास आप उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। धर्मानुपालन में भी आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज एवं समाजिक जनों से पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करने में आपको सफलता मिलेगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

चतुर्थ मास
24/02/2027 22:15:44 से 26/03/2027 23:18:42 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	04:02:44
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	11:36:09
चन्द्र		तुला	चित्रा	00:25:23
मंगल	व	सिंह	मघा	04:32:17
बुध	व	मकर	धनिष्ठा	29:23:18
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	26:01:42
शुक्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	00:20:40
शनि		मीन	रेवती	18:21:27
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:13:20
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:13:20
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	08:32:15

मासाधिपति

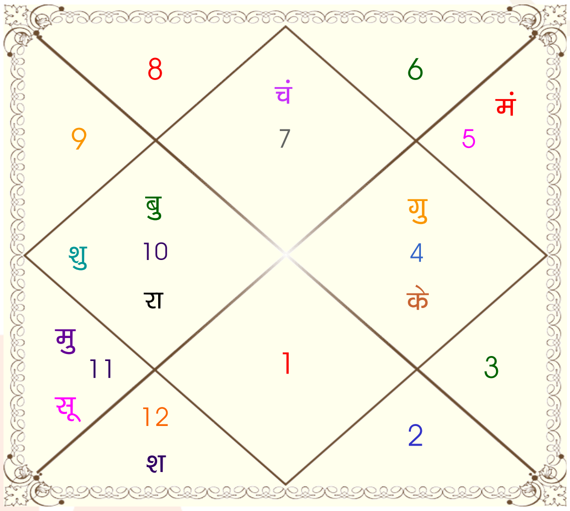

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल प्रद ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता बनी रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप बुद्धि बल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप पुत्र से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा। आपके प्रभुत्व की इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग हृदय से आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ एवं महत्वपूर्ण समाचार की प्राप्ति भी होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना पैदा होगी एवं आप श्रद्धा पूर्वक इनकी पूजा तथा सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्च अधिकारी वर्ग से भी आप अनुकूल एवं वांछित लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से भी मुक्ति मिलेगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे जिसके प्रभाव से आप गर्मी या पितादि दोषों से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे एवं रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी। अतः इस मास में आपको शारीरिक सुरक्षा के प्रति भी सजग रहना चाहिए।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्का ॅलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

पंचम् मास
26/03/2027 23:18:42 से 26/04/2027 12:40:23 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	12:16:44
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	11:36:09
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	04:45:40
मंगल	व	कर्क	आश्लेषा	26:53:57
बुध		कुम्भ	शतभिषा	15:45:42
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	23:13:45
शुक्र		कुम्भ	धनिष्ठा	06:14:18
शनि		मीन	रेवती	21:55:13
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	25:11:51
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	25:11:51
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	11:02:15

मासाधिपति

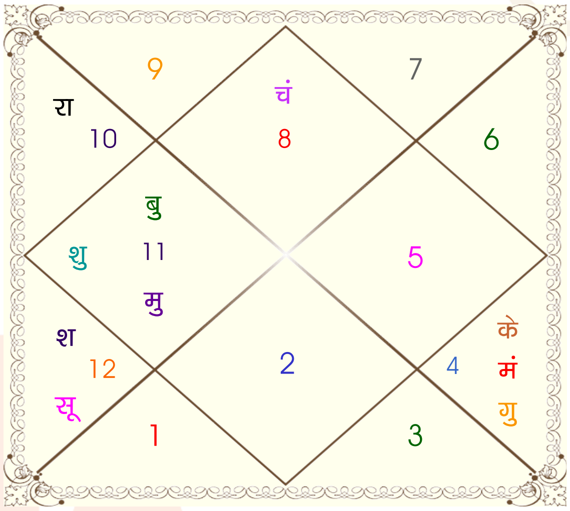

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आपको शारीरिक कष्टानुभूति होगी। साथ ही शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे जिससे आप मानसिक रूप से भी अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी इस समय आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से संबधों में तनाव विद्यमान रहेगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी हानि या मंदी के योग बनेंगे। साथ ही स्थान या कार्य क्षेत्र में परिर्वतन भी कर सकते है। समाज में भी अधिकाशं लोगों से आपके विवाद होते रहेंगे जिसके कारण उनसे कटुता का व्यवहार रहेगा फलतः आपके समाजिक सम्मान में अल्पता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि भी हो सकती है।

साथ ही इस मास गर्मी या पित्तादि दोषों से भी अस्वस्थ रहेंगे। इस समय किसी कारण से रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार से धन हानि हो सकती है। अतः इस समय आप सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

षष्ठ मास
26/04/2027 12:40:23 से 27/05/2027 13:47:21 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	21:56:17
सूर्य		मेष	अश्विनी	11:36:09
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	13:55:11
मंगल		सिंह	मघा	00:00:34
बुध		मेष	अश्विनी	08:37:15
गुरु		कर्क	आश्लेषा	23:01:22
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	13:11:46
शनि		मीन	रेवती	25:45:06
राहु	व	मकर	श्रवण	22:35:49
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	22:35:49
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	13:32:15

मासाधिपति

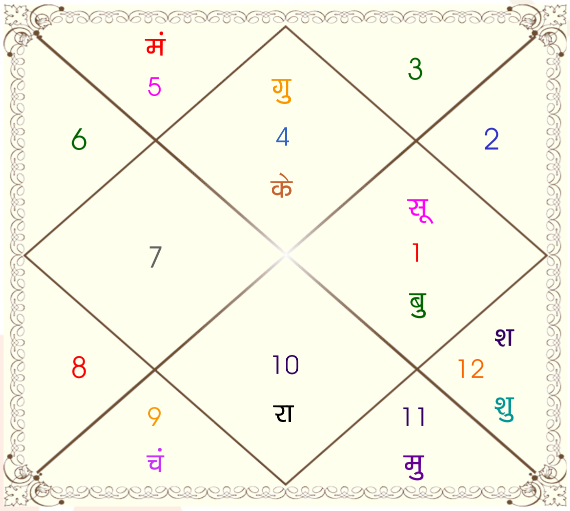

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा अतः इस समय शत्रु पक्ष से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे अनावश्यक समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही इस समय आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी तथा अनावश्यक व्यय भी होगा एवं शुभ कार्यो में विध्न बाधाएं भी उत्पन्न होंगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी एवं धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा इसके अनुपालन में भी उपेक्षा का भाव रखेंगे। आप इस समय शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं कई प्रकार से कष्ट भी प्राप्त करेंगे जिससे आपकी शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। इस मास में आप दूर की किसी यात्रा को भी संम्पन्न कर सकते है। सांसारिक कार्यो में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन व्यय होगा अतः मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोष से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय किसी प्रकार का रक्त विकार भी हो सकता है तथा अग्नि आदि से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सतर्कता पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें जिससे अनावश्यक कष्ट तथा बाधाएं उत्पन्न न हों।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

सप्तम् मास
27/05/2027 13:47:21 से 27/06/2027 22:47:49 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:23:20
सूर्य		वृष	रोहिणी	11:36:08
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	28:00:17
मंगल		सिंह	मघा	10:52:05
बुध		मिथुन	मृगशिरा	04:23:55
गुरु		कर्क	आश्लेषा	25:35:14
शुक्र		मेष	भरणी	20:55:22
शनि		मीन	रेवती	29:19:32
राहु		मकर	श्रवण	19:38:54
केतु		कर्क	आश्लेषा	19:38:54
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	16:02:15

मासाधिपति

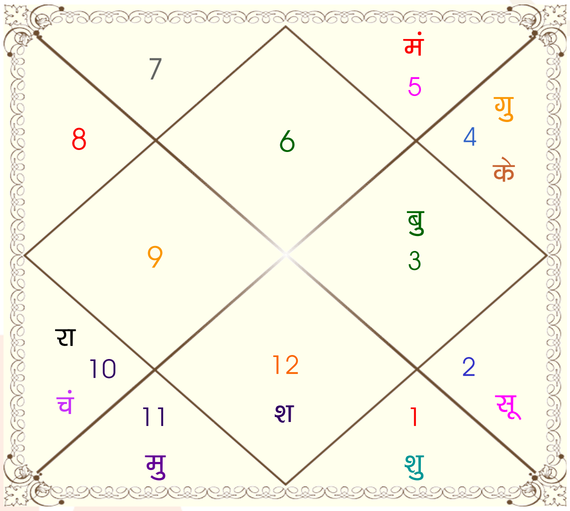

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए शुभ की अपेक्षा अशुभ ही अधिक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा साथ ही शत्रु पक्ष के बलवान होने से आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति रहेगी। इस मास में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। साथ ही ऐसे समय में उच्चाधिकारी वर्ग की भी उपेक्षा न करें एवं उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा असफलता अधिक मिलेगी। साथ ही इस समय धन का व्यय भी अधिक मात्रा में करेंगे अतः न्यूनाधिक आर्थिक संकट भी बना रहेगा। इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते है जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आपके मित्र तथा संबधियों से मधुर संबध अल्प रहेंगे तथा तनाव अधिक रहेगा तथा आप सामाजिक उपेक्षा भी प्राप्त करेंगे एवं आपकी आशाएं भी अपूर्ण ही रहेंगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही इस मास में नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित करने में सफल हो सकते है। इससे आप अल्प मात्रा में मानसिक सन्तुष्टि तथा शान्ति प्राप्त कर सकेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्का ॅलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टम् मास
27/06/2027 22:47:49 से 29/07/2027 09:30:23 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	09:59:50
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	11:36:09
चन्द्र		मीन	रेवती	17:37:39
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	26:05:23
बुध	व	मिथुन	मृगशिरा	05:02:54
गुरु		सिंह	मघा	00:18:04
शुक्र		वृष	मृगशिरा	29:11:30
शनि		मेष	अश्विनी	02:05:16
राहु	व	मकर	श्रवण	17:49:22
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	17:49:22
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	18:32:15

मासाधिपति

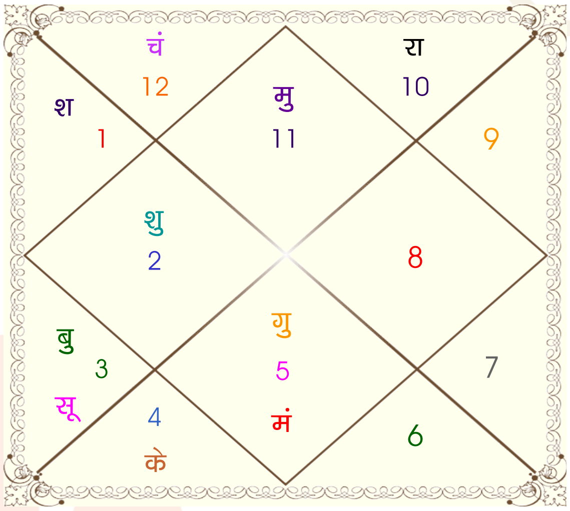

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आपके पराक्रम में नित्य वृद्धि होती रहेगी अतः इस समय आपके शत्रु वर्ग कमजोर रहेंगे एवं आप से प्रभावित तथा भयभीत रहेंगे।उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय सम्मान एवं सहयोग अर्जित करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही मुख्य कार्य के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करेंगे। अतः आपकी अर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी इससे समाज तथा मित्रवर्ग में प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी तथा पूर्व विलंबित हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वतः सिद्ध हो जाएंगे। साथ ही सांसारिक कार्यो में भी आप सफल रहेंगे एवं सर्वत्र आनन्द एवं प्रसन्नता का वातावरण विद्यमान रहेगा।

परन्तु शुभफलों के साथ साथ यदाकदा आपको अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही इस समय किसी प्रकार से रक्त विकार भी हो सकता है।अतः शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सचेत रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी क्षति हो सकती है।अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

नवम् मास

29/07/2027 09:30:23 से 29/08/2027 15:13:22 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	00:22:40
सूर्य		कर्क	पुष्य	11:36:08
चन्द्र		वृष	रोहिणी	12:39:39
मंगल		कन्या	हस्त	13:53:30
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	27:23:44
गुरु		सिंह	मघा	06:21:49
शुक्र		कर्क	पुष्य	07:46:51
शनि		मेष	अश्विनी	03:31:04
राहु	व	मकर	श्रवण	17:15:45
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	17:15:45
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:02:15

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

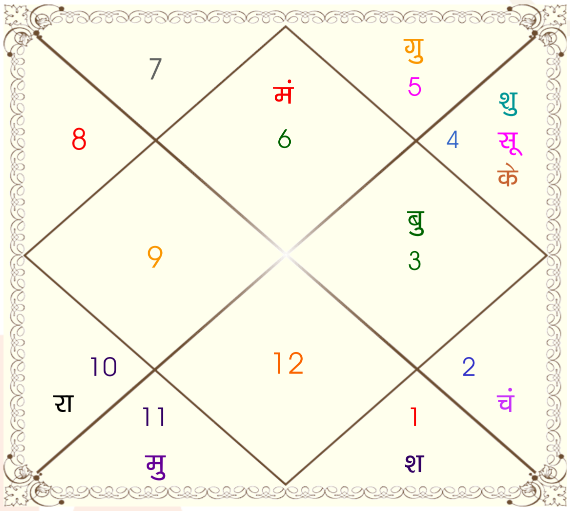

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा परन्तु अल्पमात्रा में शुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे फलतः आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनकी ओर से चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें अन्यथा किसी प्रकार से दण्ड भी प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में रहेगा। अतः आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके अतिरिक्त आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा तथा समाज में सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा कुछ न कुछ विवाद चलता रहेगा। आपकी इच्छाएं भी इस मास में अपूर्ण रहेंगी। अतः बुद्धिमता एवं सावधानी से अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ समय समय पर शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे साथ ही अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धनार्जन भी करेंगे। इस प्रकार आप मध्यम रूप से सुख प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे तथा समाज में भी न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

दशम् मास
29/08/2027 15:13:22 से 29/09/2027 10:45:19 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	10:39:54
सूर्य		सिंह	मघा	11:36:08
चन्द्र		कर्क	पुष्य	08:51:55
मंगल		तुला	चित्रा	03:21:47
बुध		सिंह	उ०फाल्गुनी	27:37:28
गुरु		सिंह	मघा	13:01:54
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:23:03
शनि	व	मेष	अश्विनी	03:18:09
राहु		मकर	श्रवण	17:08:34
केतु		कर्क	आश्लेषा	17:08:34
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:32:15

मासाधिपति

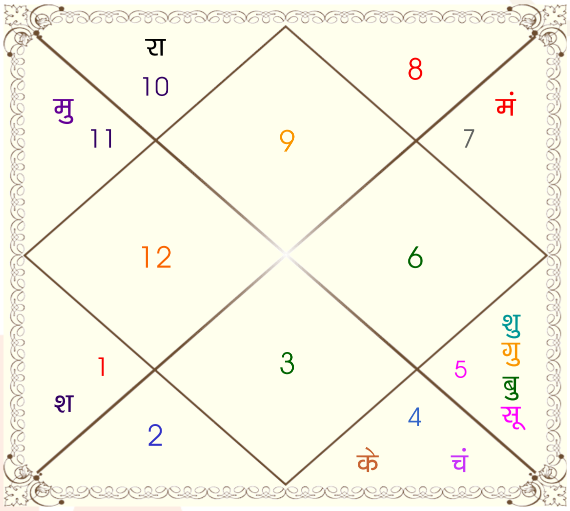

मासाधिपति : सूर्य

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे ।साथ ही समाज में सभी लोग आपको हार्दिक सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी कार्य करने में तत्पर रहेंगे। शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उन्हें इच्छित सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने संकल्पों तथा मानसिक विचारों को मूर्त रूप देने में भी आप सफल सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी अर्जित करेंगे। जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फल दायक रहेगा।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

एकादश मास
29/09/2027 10:45:19 से 29/10/2027 17:51:02 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	08:25:40
सूर्य		कन्या	हस्त	11:36:09
चन्द्र		सिंह	उ०फाल्गुनी	29:30:26
मंगल		तुला	विशाखा	24:00:02
बुध		तुला	स्वाति	07:13:03
गुरु		सिंह	पू०फाल्गुनी	19:38:48
शुक्र		कन्या	चित्रा	24:37:59
शनि	व	मेष	अश्विनी	01:36:49
राहु	व	मकर	श्रवण	15:51:44
केतु	व	कर्क	पुष्य	15:51:44
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:02:15

मासाधिपति

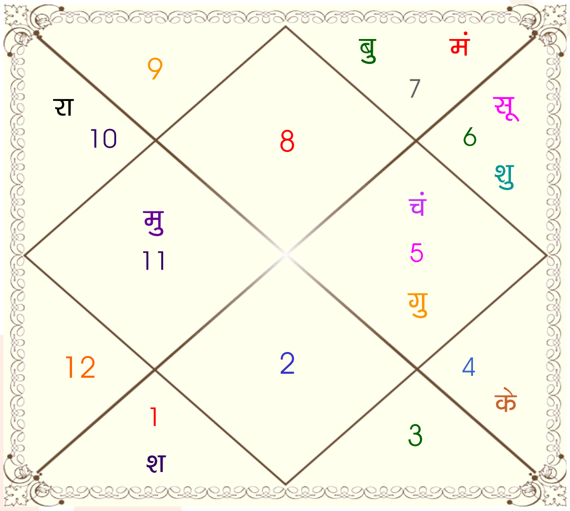

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही दुश्मन भी बलवान रहेंगे अतः उनकी ओर से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस मास में आपके कार्य क्षेत्र में न्यूनता रहेगी तथा कार्य क्षेत्र में परिवर्तन या कोई कार्य छूट सकता है या बंद भी हो सकता है। साथ ही समाज में अन्य जनों से आपके विशेष मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि होने की संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है। अतः सावधानी तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी न्यूनाधिक सहयोग मिलता रहेगा। इसके साथ ही इस समय आप अपनी बुद्धिमता से धनार्जन एवं सुख प्राप्त करने में सफलता अर्जित कर सकेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्का॰लर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

द्वादश मास

29/10/2027 17:51:02 से 28/11/2027 13:37:44 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	17:39:03
सूर्य		तुला	स्वाति	11:36:09
चन्द्र		तुला	स्वाति	10:56:02
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	15:30:20
बुध		कन्या	चित्रा	25:08:32
गुरु		सिंह	पू०फाल्गुनी	25:35:31
शुक्र		वृश्चिक	विशाखा	02:16:20
शनि	व	मीन	रेवती	29:15:29
राहु	व	मकर	श्रवण	12:49:56
केतु	व	कर्क	पुष्य	12:49:56
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:32:15

मासाधिपति

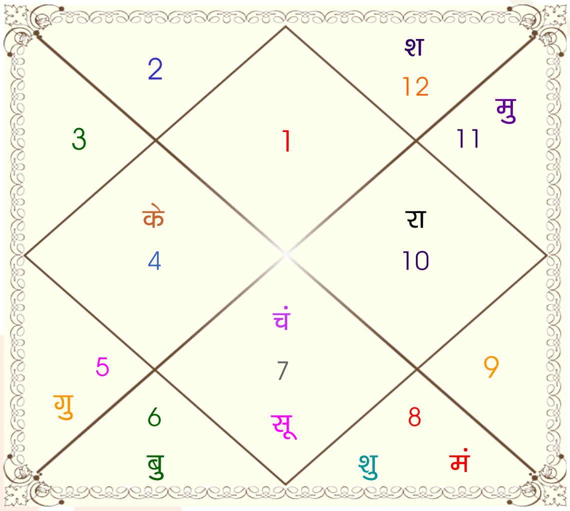

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय स्त्री पक्ष से लाभार्जन करने में आप सफल रहेंगे तथा आपके सौभाग्य में भी आशातीत वृद्धि होगी जिससे आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध हो जाएंगे इससे मानसिक रूप से आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी ठीक ही रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आपकी रुचि उत्पन्न होगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे इस मास में आप इच्छित द्रव्यों को भी प्राप्त करेंगे तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा एवं समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपको रुके कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ समय समय पर अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप ठंड या वात से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट की अनुभूति करेंगे साथ ही किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप क्षति प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्काॅलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com